आज झांसी महानगर

किसानों को सरसों बीज एवं कीटनाशी दवा, नैनो यूरिया वितरित की गयी

किसानो को बीज वितरित करते हुए। छाया-आज

(आज समाचा सेवा)

झांसी, २१ अक्टूबर। रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में कुलपति डॉ. अरविंद कुमार की अध्यक्षता में एवं मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर के निदेशक डॉ. पी.के. राय रहे। बुंदेलखण्ड में अनुसूचित जाति उपयोजना के अर्न्तगत कृषकों में सरसों उत्पादन प्रोत्साहन के लिये एक कार्यशाला आयोजित की गई। सभी अतिथियों द्वारा किसानों को सरसों का उच्च तकनीक का बीज, कीटनाशक दवा, नैनो यूरिया, एनपी के खाद, आदि सामग्री की किट किसानों को निशुल्क दिए गए। इस कार्यशाला के प्रायोजक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर, राजस्थान रहा। निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. एस एस सिंह ने सरसों के प्रोत्साहन के लिये किसानों को अवगत कराया एवं सरसों से होने बाले लाभ के बारे में बताया। अधिष्ठाता कृषि, डॉ. एस के चतुर्वेदी ने सरसों (राई) के प्रोत्साहन पर बल दिया। निदेशक शोध, डॉ. ए आर शर्मा ने किसानों को सरसों के प्रयोग एवं उनके रखरखाव पर किसानों के साथ अपने सुझाव दिये। अध्यक्षता कर रहे डॉ. अरविंद कुमार ने किसानों को दिये गये सरसों के बीज एवं कीटनाशी दवा वितरित की एवं किसानो को वैज्ञानिक तकनीक के अनुसार खेती करने पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. पी के राय ने किसानों से विस्तृत चर्चा करते हुए सरसों के प्रोत्साहन विभिन्न आयामों पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभिन्न ग्रामों के अनुसूचित किसान, डॉ एम डोबरियाल, डॉ योगेश्वर सिंह, डॉ जामंभुलकर, डॉ अंशुमान सिंह, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ संजीव कुमार, डॉ सुन्दर पाल.डॉ वैभव सिंह. डॉ अमित तोमर आदि उपस्थित रहे। संचालन डा. अर्तिका सिंह ने एवं आभार डॉ राकेश चौधरी ने व्यक्त किया।

Scanned by CamScanner